मध्य प्रदेश

NEWS18 PAPER

VOL. 2026 NO. 010 | SUN, NOV 8, 2026

PRICE ₹ ~~3.00~~ FREE

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज

पहाड़ी के ऊपर बना रहस्यमयी तालाब, भीषण जल संकट में भी नहीं होता खाली

सागर का वो रहस्यमई तालाब
जब कभी नहीं सूखता
पहाड़ी के ऊपर मौजूद हैं तालाब
1

सागर जिले के फुलर गांव की पहाड़ी पर स्थित एक तालाब कभी सूखता नहीं है, चाहे कितना भी भीषण जल संकट हो जाए। यह तालाब नागा संन्यासियों की तपोभूमि माना जाता है और इसके पास भोलेनाथ का मंदिर है। गांव के लोग, पशु-पक्षी और अन्य जरूरतमंद यहां से पानी लेते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि तालाब का पानी त्वचा संबंधी बीमारियों में भी लाभकारी है। गांव के नीचे जल संकट रहता है, लेकिन पहाड़ी पर यह तालाब हमेशा लबालब भरा रहता है।... **और पढ़ें** ↓

एक छोटे कमरे से 19 मिलियन व्यूज तक का सफर, शिक्षक विकास मिश्रा की कहानी

ग्वालियर के विकास मिश्रा ने कुछ विद्यार्थियों से कोचिंग शुरू की थी, जो अब सैकड़ों छात्रों तक पहुंच गई है। वे शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक गतिविधियों और आध्यात्मिकता पर भी जोर देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निशुल्क शिक्षा देते हैं। सोशल मीडिया पर वे मंदिरों और धार्मिक स्थलों की जानकारी साझा करते हैं, जिससे उन्हें लाखों व्यूज मिले हैं। वे नए क्रिएटर्स को मेहनत और बेहतर कंटेंट पर ध्यान देने की सलाह देते हैं।... **और पढ़ें** ↓

---

11 एकड़ में मिक्स खेती और सालाना 5 से 6 लाख रुपए, किसान ने बदली किस्मत

बुरहानपुर के किसान किशोर सोनवने ने पिछले 25 वर्षों से मिक्स खेती अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाई है और 11 एकड़ जमीन में विभिन्न फसलें उगाकर सालाना 5 से 6 लाख रुपए कमा रहे हैं। उन्होंने परंपरागत खेती में बदलाव कर कपास, गन्ना, मक्का, चना, सोयाबीन और तुअर जैसी फसलें लगाई हैं। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि 10 से 15 लोगों को रोजगार भी मिला है। उनकी पहल से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

NEET की सफलता का कोई शॉर्टकट! हार्ड वर्क का कोई मंत्र नहीं: डॉ. किश्वर सुल्तान

डॉ. किश्वर सुल्ताना ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत, अनुशासन और सेल्फ स्टडी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोचिंग और ऑनलाइन संसाधनों का लाभ जरूर उठाएं, लेकिन केवल शॉर्टकट या कम समय पढ़कर सफलता संभव नहीं है। निरंतर पढ़ाई, समर्पण और खुद से अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। संसाधन बदल सकते हैं, पर मेहनत और लगन ही डॉक्टर बनने का सपना पूरा करती है।... **और पढ़ें** ↓

दिवाली की रात चुपचाप कर लें ये 5 गुप्त उपाय, मां लक्ष्मी की कृपा से बरसेगा धन

दीवाली
की रात करें ये उपाय
LOCAL
5

दीपावली हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से सुख-समृद्धि आती है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, दीपावली की रात कुछ विशेष उपाय करने से आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और धन-धान्य में वृद्धि होती है। 8 नवंबर को दीपावली मनाई जाएगी और लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5:54 से 7:50 बजे तक रहेगा। लेख में पांच ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें गुप्त रूप से करने से शुभ फल मिलते हैं।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

आज का 'लाइफ हैक'

अपनी पुरानी बनारसी और सिल्क साड़ियों के बॉर्डर को निकालकर खूबसूरत कुशन कवर या पोटली बैग बनाएं। यह घर की सजावट के लिए एक बेहतरीन और पर्यावरण के अनुकूल तरीका है जो आपके फेस्टिव सीजन को और भी खास बना देगा।

आज का इतिहास

- साल 1895 में आज ही के दिन महान भौतिक विज्ञानी विल्हेम रोंटजेन ने एक्स-रे की खोज की थी, जिसने आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और निदान की दुनिया में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम किया।
- वर्ष 2016 में आज की तारीख को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में काले धन और भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए पांच सौ और एक हजार रुपये के नोटों को बंद करने का बड़ा ऐलान किया था।

दिनभर की खबरों का डोज

81 करोड़ की लागत से बनेगी फोरलेन सड़क, पीपा पुल से भी फायदा; CM ने रखी नींव

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ओरछा और चित्रकूट का दौरा किया, जहां उन्होंने 81 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फोरलेन सड़क का भूमि पूजन किया और पीपा पुल का लोकार्पण किया। उन्होंने बच्चों को उपहार और श्रद्धालुओं को मिठाई बांटी, मंदाकिनी नदी में दीपदान किया तथा दुकानदारों से मिले। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में वनवासी राम लोक के निर्माण की घोषणा की और धार्मिक स्थलों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने आमजन से संवाद कर स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया।

... **और पढ़ें** ↗

आसान भाषा में समझें

इंटरनेट बहुत सारे कंप्यूटरों का एक बड़ा परिवार है जो आपस में मिले हुए हैं। जब आप अपने फोन पर कोई वीडियो देखते हैं, तो वह जानकारी जादुई रूप से अदृश्य तरंगों और समुद्र के नीचे पड़ी लंबी तारों के जरिए बहुत तेजी से आपके पास पहुंच जाती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे खिलौने वाली गाड़ी पटरी पर दौड़ती है।

कमरे में पहुंचे MLA तो आपत्तिजनक हाल में मिले युवक-युवती, देखते ही भागे

भोपाल के हाई-सिक्योरिटी एमएलए रेस्ट हाउस में कांग्रेस विधायक दिनेश जैन के कमरे में उनकी गैरमौजूदगी में एक युवक और युवती संदिग्ध हालत में मिले, जो पुलिस वर्दी में थे। विधायक ने बिना अनुमति चाबी देने और सुरक्षा में चूक पर आपत्ति जताई है। मामले की शिकायत विधानसभा सचिवालय को की गई है। लोक निर्माण विभाग ने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दोनों की असली पहचान और सुरक्षा में लापरवाही की जांच जारी है।

... **और पढ़ें** ↗

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

क्या आप जानते हैं?

क्या आप जानते हैं कि भारत का राष्ट्रीय खेल आधिकारिक रूप से हॉकी नहीं है? खेल मंत्रालय के अनुसार सरकार ने कभी भी किसी खेल को राष्ट्रीय खेल घोषित नहीं किया है।

बड़े पर्दे पर उतरी श्रीराम गाथा, 'रामायण' ने जीता ग्वालियर के दर्शकों का दिल

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' की ग्वालियर में रिलीज पर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश के अभिनय, भव्य दृश्यों, शानदार वीएफएक्स और संगीत की दर्शकों ने खूब सराहना की। फिल्म ने भारतीय संस्कृति और आस्था को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया है। दर्शकों ने इसे हर उम्र और वर्ग के लिए प्रेरणादायक बताया तथा परिवार के साथ सिनेमाघरों में देखने की अपील की।

... **और पढ़ें** ↗

आज का मजेदार मीम

जब मम्मी कहती हैं मेहमान आने वाले हैं और घर की सफाई शुरू हो जाती है।

आज के 5 जरूर करें

1. सुबह जल्दी उठकर पंद्रह मिनट योग और ध्यान करें ताकि पूरा दिन तरोताजा महसूस कर सकें।
2. नाश्ते में ताजे फलों का सेवन करें और शरीर में पानी की कमी बिलकुल न होने दें।
3. शाम के समय अपने परिवार के साथ बैठकर चाय का आनंद लें और पुरानी यादें साझा करें।
4. सोने से पहले कम से कम तीस मिनट तक किसी अच्छी किताब को पढ़ने की आदत डालें।
5. अपने सभी जरूरी ऑफिस के कामों की एक सूची बनाकर उन्हें समय पर पूरा करने का प्रयास करें।

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

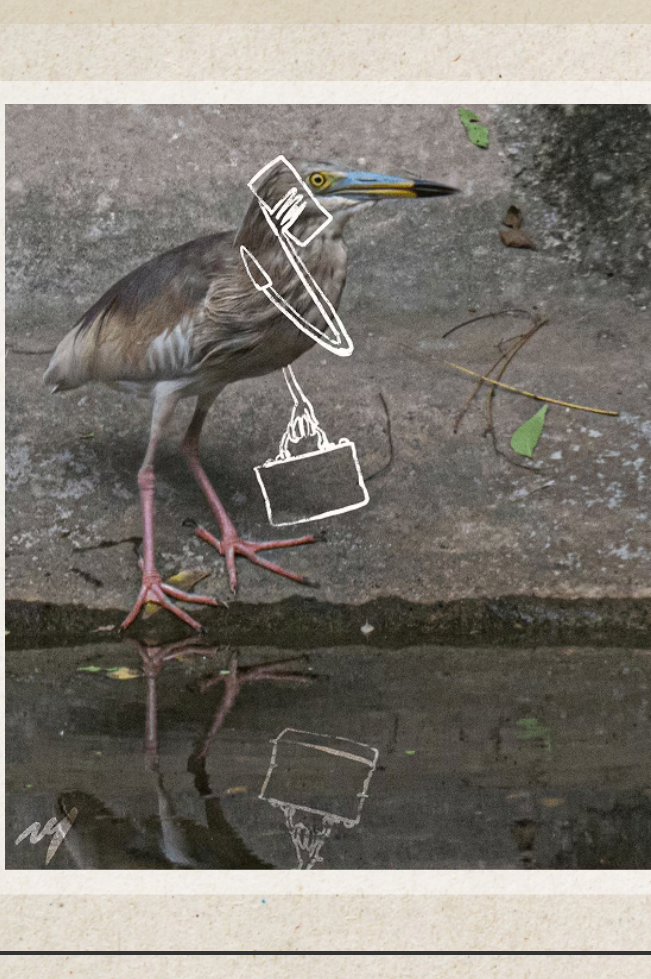

पढ़ते रहिए...

पहाड़ी के ऊपर बना रहस्यमयी तालाब, भीषण जल संकट में भी नहीं होता खाली

सागर जिले के फुलर गांव में स्थित एक अनूठा तालाब चर्चा का विषय बना हुआ है। यह तालाब पहाड़ी पर स्थित है और इसकी विशेषता यह है कि यह कभी सूखता नहीं है, चाहे गर्मी का मौसम कितना भी भीषण क्यों न हो। आमतौर पर गर्मियों में नदियां, तालाब, कुएं और बावड़ियां सूख जाती हैं, जिससे पक्षियों और ग्रामीणों को पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। लेकिन फुलर गांव के इस तालाब की स्थिति विपरीत है। इस तालाब के पास भोलेनाथ का मंदिर है और स्थानीय लोगों के अनुसार, मंदिर में जल चढ़ाने के लिए कभी अन्य स्रोतों से पानी लाने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। तालाब का आकार जलहरी के समान बताया जाता है और इसका निर्माण नागा संन्यासियों द्वारा किया गया था। यह स्थान उनकी तपोभूमि भी रही है। गांव के निवासी महेंद्र गिरी और रामकुमार मिश्र बताते हैं कि पिछले 20-25 वर्षों से उन्होंने कभी इस तालाब को खाली नहीं देखा है। पानी का स्तर कम हो सकता है, लेकिन तालाब पूरी तरह सूखता नहीं है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तालाब का पानी कई बीमारियों जैसे खाज-खुजली को भी ठीक कर देता है। गांव के नीचे बसे लोगों को गर्मियों में जल संकट का सामना करना पड़ता है, लेकिन वे इसी तालाब से पानी भरकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। पशु-पक्षी भी यहां पानी पीने आते हैं और मकान निर्माण के लिए भी लोग इसी तालाब का पानी उपयोग करते हैं। यह तालाब स्थानीय लोगों के लिए जल जीवन का स्रोत है और इसकी अनूठी विशेषता इसे क्षेत्र में महत्वपूर्ण बनाती है।

पढ़ते रहिए...

एक छोटे कमरे से 19 मिलियन व्यूज तक का सफर, शिक्षक विकास मिश्रा की कहानी

ग्वालियर, मध्य प्रदेश के निवासी विकास मिश्रा ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने अपनी कोचिंग संस्थान की शुरुआत केवल तीन-चार विद्यार्थियों के साथ की थी, लेकिन आज उनके संस्थान में 200 से 400 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। विकास मिश्रा का मानना है कि शिक्षक का कार्य केवल पढ़ाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। इसी सोच के तहत उनके संस्थान में पढ़ाई के साथ-साथ पार्टी, ट्रिप और रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं। विकास मिश्रा हर वर्ष चार से पांच आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा देने का प्रयास करते हैं, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति शिक्षा में बाधा न बने। उनका मानना है कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और आर्थिक परिस्थितियां इसमें बाधा नहीं बननी चाहिए। शिक्षा के साथ-साथ विकास मिश्रा अपने जीवन में आध्यात्मिकता को भी विशेष महत्व देते हैं। वे प्रेमानंद महाराज और श्रीजी की कृपा को अपने जीवन में आए बदलाव का श्रेय देते हैं। उनकी कोचिंग में राधा नाम संकीर्तन और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों में संस्कार और सकारात्मकता का विकास हो सके। शिक्षक होने के साथ-साथ विकास मिश्रा सोशल मीडिया पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों की जानकारी भी साझा करते हैं। उनका उद्देश्य लोगों को मंदिरों के इतिहास, विशेषताओं और धार्मिक महत्व से परिचित कराना है। उनके वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं और हाल ही में एक वीडियो ने 19 मिलियन व्यूज प्राप्त किए हैं। विकास मिश्रा ने 2011 में बिग एफएम में रेडियो जॉकी के रूप में करियर की शुरुआत की थी। रेडियो ने उन्हें आत्मविश्वास और प्रभावी संवाद कौशल दिया, जो आज टीचिंग और सोशल मीडिया में उनके लिए उपयोगी साबित हो रहा है। नए सोशल मीडिया क्रिएटर्स के लिए विकास मिश्रा का संदेश है कि सफलता के लिए व्यूज के पीछे भागने के बजाय लगातार मेहनत और बेहतर कंटेंट पर ध्यान देना चाहिए।

पढ़ते रहिए...

11 एकड़ में मिक्स खेती और सालाना 5 से 6 लाख रुपए, किसान ने बदली किस्मत

बुरहानपुर जिले के किसान किशोर सोनवने ने खेती के क्षेत्र में नवाचार और बदलाव को अपनाकर एक मिसाल पेश की है। पिछले 25 वर्षों से वे मिक्स खेती कर रहे हैं, जिसमें वे पारंपरिक फसलों के साथ-साथ कपास, गन्ना, मक्का, चना, सोयाबीन और तुअर जैसी विभिन्न फसलें उगाते हैं। पहले उनका परिवार केवल केले की खेती करता था, लेकिन समय के साथ उन्होंने खेती के तरीकों में बदलाव किया और मिक्स खेती की ओर रुख किया। किशोर सोनवने का मानना है कि किसानों को समय के साथ खेती के तौर-तरीकों में बदलाव लाना चाहिए और केवल एक फसल पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। अलग-अलग फसलें उगाने से न केवल आमदनी के स्रोत बढ़ते हैं, बल्कि जोखिम भी कम होता है। मिक्स खेती के कारण वे साल भर खेत में कृषि गतिविधियां जारी रख पाते हैं, जिससे उनकी सालाना आमदनी 5 से 6 लाख रुपए तक पहुंच गई है। सिर्फ अपनी आमदनी बढ़ाने तक सीमित न रहते हुए, किशोर सोनवने ने अपने खेत में 10 से 15 लोगों को स्थायी रोजगार भी उपलब्ध कराया है। बुवाई, फसल की देखभाल और कटाई जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को काम मिलता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। किशोर सोनवने की यह पहल यह दर्शाती है कि परंपरागत खेती में बदलाव और मिक्स खेती को अपनाकर किसान न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनका उदाहरण अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

पढ़ते रहिए...

NEET की सफलता का कोई शॉर्टकट! हार्ड वर्क का कोई मंत्र नहीं: डॉ. किश्वर सुल्तान

ग्वालियर में आयोजित एक कार्यक्रम में BIMR हॉस्पिटल की वरिष्ठ कंसल्टेंट और प्रैक्टिसिंग गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. किश्वर सुल्ताना ने NEET परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि 1988 में MBBS में प्रवेश के लिए आयोजित प्री मेडिकल टेस्ट (PMT) क्वालीफाई किया था, जब न तो ऑनलाइन क्लासेस थीं और न ही डिजिटल स्टडी मटेरियल या आधुनिक कोचिंग की सुविधाएं उपलब्ध थीं। उस समय विद्यार्थियों को सीमित संसाधनों के साथ केवल अपनी मेहनत और सेल्फ स्टडी के दम पर तैयारी करनी पड़ती थी। डॉ. सुल्ताना ने बताया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के दौरान प्रतिदिन लगभग 18 घंटे पढ़ाई की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सफलता के लिए शॉर्टकट या कम समय पढ़कर NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की उम्मीद करना गलत है। उनके अनुसार, हार्ड वर्क का कोई विकल्प नहीं है और बिना मेहनत तथा सेल्फ स्टडी के सफलता संभव नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी तैयारी के प्रति गंभीर रहना चाहिए और नियमित रूप से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में कोचिंग संस्थान, ऑनलाइन टीचर्स और गाइडेंस के कई विकल्प उपलब्ध हैं, जिनका अधिकतम लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन केवल कोचिंग पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। पढ़ाई को समझना, खुद से अभ्यास करना और लगातार मेहनत करना ही सफलता की दिशा में आगे बढ़ाता है। डॉ. सुल्ताना का अनुभव आज के NEET एस्पिरेंट्स के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसाधन और पढ़ाई के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन सफलता की बुनियाद आज भी मेहनत, अनुशासन, एकाग्रता और सेल्फ स्टडी ही है। डॉक्टर बनने का सपना सिर्फ सोचने से नहीं, बल्कि हर दिन ईमानदारी से मेहनत करने से ही पूरा होता है।

पढ़ते रहिए...

दिवाली की रात चुपचाप कर लें ये 5 गुप्त उपाय, मां लक्ष्मी की कृपा से बरसेगा धन

दीपावली, हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और शुभ त्योहार है, जिसे कार्तिक अमावस्या की रात को मनाया जाता है। इस पर्व पर घर-आंगन दीपों से रोशन किया जाता है और मां लक्ष्मी तथा भगवान गणेश की विधिवत पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आती है तथा मां लक्ष्मी का आगमन होता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, दीपावली की रात कुछ विशेष उपाय और टोटके करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। इन उपायों को गुप्त रूप से करना शुभ माना गया है। इस वर्ष कार्तिक अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह 11:27 बजे से 9 नवंबर दोपहर 12:31 बजे तक रहेगी। दिवाली का त्योहार 8 नवंबर, रविवार को मनाया जाएगा। लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक रहेगा। दीपावली की रात किए जाने वाले पांच प्रमुख उपायों में शामिल हैं: पांच सुपारी, हल्दी की गांठ, कौड़ी और गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर पूजा स्थल पर रखना तथा पूजा के बाद इसे घर या दुकान की चौखट पर बांधना; सिंदूर, दही और साबुत उड़द को पीपल की जड़ में दीप जलाकर रखना; दुकान में फिटकरी घुमाकर उत्तर दिशा में फेंकना; माता लक्ष्मी के सामने देशी घी के सात या नौ मुख वाले दीपक जलाना; तथा काली मिर्च के दाने सिर पर से घड़ी के विपरीत दिशा में घुमाकर दक्षिण दिशा में फेंकना। इन उपायों के माध्यम से धन, सुख-समृद्धि, आर्थिक स्थिति में सुधार और शत्रुओं से मुक्ति की आशा की जाती है। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है।

© 2026 Network18 Media & Investments Limited